

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1932

D

Your Roll No.....

Unique Paper Code : 210675

Name of the Course : B.A. (H) / B.Sc. (H) Math / B.Sc. Mathematical Science

Name of the Paper : THEORIES OF CONSCIOUSNESS

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Examine the concept of adhyāsa according to Śaṅkara.

शंकर के अनुसार अध्यास की अवधारणा का परीक्षण करें।

2. Discuss the nature of soul according to Kāthopaniṣad.

कठोपनिषद् के अनुसार आत्मा के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

3. How does Nāgasena explain the concept of soul through the example of chariot ?
Discuss in the context of Milindapañha.

P.T.O.

नागसेन ने रथ के उदाहरण द्वारा आत्मा के अवधारणा की व्याख्या किस प्रकार की है ? मिलिन्दपन्ह के संदर्भ में विवचेन करें ।

4. On what ground does Cārvāka refute soul as a substance ? How does Nyāya criticise Cārvāka on this issue ? Explain.

द्रव्य के रूप में आत्मा का खंडन चार्वाक किस आधार पर करता है ? इस विषय में न्याय चार्वाक की आलोचना कैसे करता है ? व्याख्या कीजिए ।

5. Explain the characteristics of soul and body according to the Bhagvadgītā.

भगवद्गीता के अनुसार आत्मा तथा शरीर के लक्षणों की व्याख्या कीजिए ।

6. What is the nature of jīva according to Jainism ? Differentiate it from ajīva.

जैन दर्शन के अनुसार जीव का स्वरूप क्या है ? जीव तथा अजीव का अंतर स्पष्ट करें ।

7. Write a short notes one **any two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

- (i) Self contemplation according to Kāṭhōpaniṣad

कठोपनिषद् के अनुसार आध्यात्म योग

- (ii) Theory of momentariness

क्षणभंगवाद का सिद्धान्त

- (iii) Svadharma according to Bhagvadgītā

भगवद्गीता में स्वधर्म